

उत्तर प्रदेश बार काउंसिल का मतदान शांतिपूर्वक संपन्न

अधिवक्ताओं में दिखा भारी उत्साह, डा. शाहनवाज राणा को मिला भरपूर सहयोग व समर्थन

शाह टाइम्स संवाददाता बागपत। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य पद के लिए चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। सभी अधिवक्ताओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। मतदान के दौरान अधिवक्ताओं में काफी उत्साह देखा गया। शनिवार को कुल 332 वोट पड़े। बार काउंसिल उत्तर प्रदेश सदस्य पद का चुनाव लड़ रहे उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के पूर्व उपाध्यक्ष तथा पूर्व विधायक डॉ. शाहनवाज राणा को भी अधिवक्ताओं का भरपूर समर्थन मिला। युवा अधिवक्ताओं में उनके प्रति अच्छा उत्साह देखा गया। मतदान के दौरान अन्य प्रतिनिधियों में भी डॉ. शाहनवाज राणा को मिल रहे समर्थन की काफी चर्चा रही।

उत्तर प्रदेश बार काउंसिल का दो दिन चला मतदान शनिवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। दो दिन के मतदान के दौरान पहले दिन सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 तक शुक्रवार को कुल 988 वोटों में से 513 ने मतदान किया था। शनिवार को कुल 332 अधिवक्ताओं ने अपने मतदाधिकार

र का प्रयोग किया। इस प्रकार 988 में से कुल 845 अधिवक्ताओं ने मतदान किया जबकि 143 अधिवक्ताओं ने अपने मत का प्रयोग नहीं किया। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य पद का चुनाव लड़ रहे सभी प्रत्याशियों के समर्थक जनपद न्यायालय के बाहर जाते रहे। इस दौरान पुलिस बल की भी उचित व्यवस्था देखी गई। मतदान के दौरान किसी प्रकार की कोई अशांति उत्पन्न नहीं हुई और शुक्रवार तथा शनिवार दोनों दिन शांतिपूर्वक मतदान हुआ और सभी अधिवक्ताओं ने उत्साह पूर्वक अपने मत का प्रयोग किया। बार काउंसिल के सदस्य पद का चुनाव लड़ रहे उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के पूर्व उपाध्यक्ष तथा बिजनौर सदर सीट से पूर्व विधायक डॉ. शाहनवाज राणा को भी अधिवक्ताओं का भरपूर समर्थन तथा सहयोग प्राप्त हुआ। युवाओं में भी उनके प्रति अच्छा उत्साह देखने को मिला और उन्हें अपनी पहली पसंद माना गया। मतदान के दौरान डॉ. शाहनवाज राणा को मिल रहे समर्थन की काफी चर्चा रही।



छात्र की सड़क दुर्घटना में मौत परिजनों में मचा कोहराम, घोटौरा से दिल्ली पढ़ने गया था छात्र

शाह टाइम्स संवाददाता रटौल। घोटौरा के एक 21 वर्षीय बच्चे को छात्र की दिल्ली में सड़क दुर्घटना में घायल हो गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी जिससे परिजनों में कोहराम मचा है। ग्रामीण पीड़ित परिवार को सात्वना में लगे हैं।



साहायता से उसे मोहननगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी वहीं स्कूटी फिसलने की भी बात ग्रामीण कर रहे हैं। मौत का समाचार मिलते ही गांव में मातम छा गया वहीं परिजनों का रो रो बुरा हाल है। ग्रामीण पीड़ित परिवार को सात्वना देने में लगे हैं।

घोटौरा निवासी 21 वर्षीय विवेक पुत्र विनोद बीए का छात्र है वह स्कूटी से रोजाना कॉलेज जाता था गुरुवार को जब वह कॉलेज से लौट रहा था तो मंडोला के समीप उसकी स्कूटी को दूसरी स्कूटी ने टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया राहगीरों की

बाल विवाह एवं बाल श्रम रोकना हर नागरिक का दायित्व: जिलाधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता बिनीली। जवाना के गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को नारी शक्ति शिक्षा प्रगति के तहत बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें बाल विवाह एवं बाल श्रम रोकने के प्रति महिला अभिभावकों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीएम अस्मिता लाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बाल विवाह एवं बाल श्रम समाजिक बुराई है। जिनके प्रति समाज में जागरूकता जरूरी है। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमारा ये नैतिक दायित्व है कि बाल विवाह व बाल श्रम से कोई भी



बच्चा पीड़ित न हो। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में मुकाम हासिल करने के लिए शुरू से ही लक्ष्य निर्धारित कर उसे अपने हुनर व परिश्रम कर हासिल करें। सफलता के लिए

परीक्षा पहला कदम है। जो आपकी अध्ययन योग्यता तय करती है। ग्रामीण अंचल में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मुहैया कराना जरूरी है। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभावान छात्राओं व जागरूक महिलाओं को उनके योगदान के लिय सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रबंधक डा. अनिल आर्य ने डीएम को शाल, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। छात्राओं ने नारी शक्ति, कन्या भ्रूण हत्या व बाल विवाह रोकने के कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान महिलाओं की कई प्रतियोगिताएं भी हुईं। निदेशक डा. सुनील आर्य, एडवोकेट कुणाल आर्य, प्रधानाचार्य पवन त्यागी व उप प्रधानाचार्य सुशील वत्स ने भी अभिभावकों को जागरूक किया।

दो दिवसीय फल पट्टी प्रशिक्षण शिविर का समापन

शाह टाइम्स संवाददाता रटौल। रटौल में चल रहे दो दिवसीय फल पट्टी प्रशिक्षण शिविर के समापन पर किसानों बैग और किट वितरित की गयी वहीं किसानों को पेंडो के जीवनउद्धार की भी जानकारी दी गयी।



रटौल में चैयरमैन जुनैद फरीदी के आवास पर चल रहे दो दिवसीय फल पट्टी योजना शिविर के आखिर दिन आम उत्पादकों को आम बागानों में लगने वाले कीट से बचाव की जानकारी दी गयी वहीं कृषि वैज्ञानिकों ने आम बागानों का दौरा कर आम उत्पादकों की समस्या को को सुना वहीं उन्होंने आम बागान पुनर्गठन होने पर उनके जीवन उद्धार करने की जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने बताया की फरवरी माह में आम बागानों पर

बौर आना शुरू हो जाएगा जिस पर समय समय पर उनकी देखभाल। और स्प्रे करे वही आम उत्पादकों को बैग और किट वितरित की गयी इस मौके पर ट्रेनिंग अफसर शिवानी

श्रीवास्तव, डाक्टर सोनम, सत्यवीर सिंह, जुनैद फरीदी, हबीब खान, डाक्टर शकील, उमर फरीदी, जाहिद, हमिद आदि आम उत्पादक मौजूद रहे।

शाह टाइम्स संवाददाता रटौल। नशे के प्रति हिकोली गांव में चल रहा अभियान। गांव गांव लोगों को नशा न करने की शपथ दिला अभियान को आगे बढ़ा रहा है। हिकोली में सार्वजनिक पुस्तकालय में युवाओं को नशा करने की शपथ दिलाई गयी

हिकोली गांव में जाट महासभा के अध्यक्ष एडवोकेट सोमेंद्र ढाका ने नशे के प्रति अभियान चला रखा है जिससे ग्रामीण उनका सहयोग कर रहे हैं और गांव गांव जाकर लोगों को नशा न करने की शपथ दिला रहे हैं। शनिवार को हिकोली के सार्वजनिक पुस्तकालय में टीम ने पहुंच युवाओं को कभी नशा न करने की शपथ दिलायी। इस मौके पर बोलते हुए एडवोकेट सोमेंद्र ढाका ने कहा की नशा ज़िन्दगी को



बर्बाद करता है और लोगों को अछाई के रास्ते पर चलने से रोकता है। इसलिए हमें कभी नशा नहीं

एक नजर

मुस्लिम फंड बडौत ने गरीब व असहाय लोगों को किए कम्बल वितरित

शाह टाइम्स संवाददाता बडौत। सर्दियों के बढ़ते मौसम व हालत को मद्देनजर रखते हुए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पब्लिक चेरिटेबल मुस्लिम फंड बडौत ने कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में गरीब व असहाय लोगों को 225 कम्बल का वितरण किया गया।

नगर की फूस वाली मस्जिद के पीछे स्थित मुस्लिम फंड के कार्यालय पर बढ़ते सर्दियों के मौसम को मद्देनजर रखते हुए मुस्लिम फंड की प्रबंध समिति ने गरीब व असहाय लोगों को 225 कम्बल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पदाधिकारियों ने कहा है मुस्लिम फंड 1954 से संचालित है। फंड द्वारा समय समय पर गरीबों की आर्थिक मदद, मेडिकल कैंप, सर्दियों में कम्बल वितरण, गर्मियों में सार्वजनिक वाटर कुलर एवं समाज के हित में सेवा कर अनेकों कार्य कर रहा है। सर्दी के मौसम में कम्बल वितरण करना ठंड के प्रकोप से बचाव, विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और बेघर लोगों को राहत प्रदान करना और उन्हें सुरक्षा का एहसास कराना। मुस्लिम फंड हमेशा धर्म और जाति से परे, केवल जरूरतमंदों को कंबल दिए जाते हैं। कम्बल वितरण एक महत्वपूर्ण जन-कल्याणकारी कार्य है जो ठंड के मौसम में समाज के सबसे कमजोर वर्गों की मदद करता है। मुस्लिम फंड द्वारा हमेशा से सामाजिक कार्य कर रहा है और समय समय पर जरूरतमंदों की मदद करता है। कार्यक्रम में रिजवान मलिक एडवोकेट, हारून अली मन्वर, उस्मान सिद्दीकी लखनऊ, एम एच खान, आरिफ मलिक एडवोकेट, इशाक खान, हाजी उमर पटवारी, युनुस कामरेड, हाजी इस्लाम बडका, हाजी जमीरुद्दीन अब्बासी, रिजवान मुल्तानी, शहजाद मिर्जा, मोइनुद्दीन अब्बासी, जाहिद, इस्लाम, जिशान अहमद, आस मोहम्मद आदि उपस्थित रहे।



दीया मिर्जा वायरल ट्रेंड में शामिल हुई

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा वायरल ‘दिस वाज 2016’ ट्रेंड में शामिल होकर अपने प्रशंसकों को पुरानी यादों में ले गई और अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें साझा कीं, जिससे उनके प्रशंसकों को अपनी शुरुआती फिल्मों की यादें ताजा हो गईं। शनिवार को इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा करते हुए, दीया ने अपने ‘रहना है तेरे दिल में’ (आरएचटीडीएम) के

सह-कलाकार आर- माधवन, जिन्हें मैडी के नाम से जाना जाता है, के साथ फिल्म के पर्दे के पीछे और फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट कीं। फिल्म की 25वीं वर्षगांठ इस अक्टूबर में आ रही है। अपने कैप्शन में दीया ने लिखा कि यह 2016 था। 19 अक्टूबर 2026 को 25 साल पूरे हो जाएंगे। एक ऐसा तोहफा जो हमेशा मिलता रहता है। फिल्म

2001 में रिलीज हुई थी। फिल्म का नाम बताओ। ओह मैडी मैडी, देखो क्या आ गया? कई प्रशंसकों के लिए, रीना और मैडी के रूप में दीया और माधवन बॉलीवुड की सबसे प्रिय जोड़ियों में से एक हैं। दो दशक से अधिक समय पहले रिलीज होने के बावजूद फिल्म के गाने, संवाद और कहानी आज भी दर्शकों के दिलों में एक खास जगह रखते हैं। वाशु

भगनानी की पूजा एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, ‘आरएचटीडीएम’ में सैफ अली खान ने भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और यह माधवन और दीया मिर्जा दोनों की बॉलीवुड में पहली फिल्म थी। गौतम वासुदेव मेनन निर्देशित यह रोमांटिक ड्रामा उनकी अपनी तमिल फिल्म मिनाले का हिंदी रीमेक है, जो उसी वर्ष पहले रिलीज हुई थी।



भाभी जी घर पर हैं, फन ऑन द रन का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। फिल्म ‘भाबीजी घर पर हैं!’- फन ऑन द रन’ का ट्रेलर रिलीज हो गया है। एक दशक से ज्यादा समय तक टीवी पर दर्शकों को गुदगुदाने के बाद, ‘भाबीजी घर पर हैं!’ अब अपनी दुनिया को और बड़ा करते हुए अपनी आने वाली थिएट्रिकल फिल्म ‘भाबीजी घर पर हैं!’- फन ऑन द रन’ के साथ तैयार है।

जी स्टूडियोज और एडिट टू ने इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ‘भाबीजी घर पर हैं!’-फन ऑन द रन’ को जी सिनेमा, संजय कोहली और बिनेफर कोहली ने प्रोड्यूस किया है और जी स्टूडियोज व संजय कोहली ने इसे प्रस्तुत किया है। इस फिल्म में शुभांगी अत्रे, विदिशा श्रीवास्तव, आसिफ शेख, रोहिताश्व गौर, रवि किशन, मुकेश तिवारी और निरहुआ अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

शुभांगी अत्रे ने कहा, भाबीजी यूनिवर्स हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहा है और अब इसे बड़े पर्दे पर फिल्म के रूप में देखना मेरे लिए सच में अलग एहसास है। हमने यह फिल्म सिर्फ 17 दिनों

में शूट की और उस दौरान हम सबने बहुत मस्ती भी की।

इस बार दर्शक अंगूरी की शरारतों का नया रंग देखेंगे और कई सरप्राइज भी मिलेंगे। रवि किशन सर और मुकेश तिवारी सर के साथ काम करना मेरे लिए सीखने वाला अनुभव रहा और मुझे उम्मीद है कि फैंस को जो आगे आने वाला है, वह उन्हें बहुत पसंद आएगा। रवि किशन ने कहा, प्जब मैंने इस फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं बहुत खुश हो गया, क्योंकि मुझे पता चल गया था कि यह कोई आम कॉमेडी नहीं है। ‘भाबीजी घर पर हैं!’ एक कल्ट शो है और फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए शानदार अनुभव रहा। सैट पर सभी के साथ मेरी बहुत अच्छी बॉन्डिंग बन गई। शुभांगी के साथ भी मेरा बहुत मजेदार समय रहा, हमारे कई सीन साथ थे और सैट पर लगातार हंसी का माहौल था। मेरा किरदार एकदम विलेन वाला है और कहानी में कुछ ऐसे दिवस्ट लाता है, जो दर्शकों ने सोचे भी नहीं होंगे। ‘भाबीजी घर पर हैं!’- फन ऑन द रन’ 06 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

फिल्म ‘ओ रोमियो’ का ‘हम तो तेरे ही लिए थे’ गाना रिलीज

नई दिल्ली। निर्देशक विशाल भारद्वाज की आगामी फिल्म ‘ओ रोमियो’ का गाना ‘हम तो तेरे ही लिए थे’ शुक्रवार को रिलीज कर दिया गया। यह गीत फिल्म की कहानी की मार्मिक झलक पेश करता है। फिल्म में शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, विक्रान्त मैसी, तमन्ना भाटिया, अविनाश तिवारी और फरीदा जलाल सहित कई प्रमुख कलाकार हैं। ‘ओ रोमियो’ फिल्म के सख्त और स्याह परिवेश के बीच, यह गीत एक मार्मिक भावनात्मक विरोधाभास के रूप में उभरता है, जहां नर्म अहसास तलछ हकीकत से टकराते हैं। विशाल भारद्वाज के ट्रैक में उनका विशिष्ट हस्ताक्षर गहराई और मधुरता है।

‘इत्ती सी खुशी’ में रजत वर्मा को नए लुक की प्रेरणा शाहरुख से मिली

मुंबई। अभिनेता रजत वर्मा ने सोनी सब के शो ‘इत्ती सी खुशी’ में अपने नए लुक की प्रेरणा शाहरुख खान की फिल्म ‘मोहब्बतें’ में उनके आइकॉनिक लुक से ली है। शो ‘इत्ती सी खुशी’ अपनी दिलचस्प कहानी से दर्शकों का दिल जीत रहा है। विराट वर्मा का किरदार निभा रहे रजत वर्मा ने हाल ही में अपने स्टाइल में एक बड़ा बदलाव किया है, जिससे स्क्रीन पर उनके किरदार में एक नई गहराई आई है। शुरुआत में वह एक लापरवाह, कूल यंग लड़के के रूप में कैजुअल कपड़ों में दिखे थे, लेकिन अब उनका लुक जडादा मैच्योर और स्वाभाविक रूप से प्मदर्नाह हो गया है। जैसे-जैसे किरदार अनुभवों और जिम्मेदारियों के साथ बड़ा होता है, विराट की स्टाइलिंग भी बदल गई है। क्लीन कट्स, हल्के रंग और करीने से पहने गए कपड़े अब उनके किरदार को परिभाषित करते हैं और उनकी अंदरूनी मैच्योरिटी को दिखाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि विराट के मौजूदा लुक के पीछे की प्रेरणा शाहरुख खान के ‘मोहब्बतें’ में आइकॉनिक लुक से मिली है, जिसमें स्टाइलिंग टीम ने शाहरुख का सादगी भरी एलिगेंस, मिनिमल लेकिन असरदार, शांत लेकिन आत्मविश्वासी अंदाज से प्रेरणा लेकर विराट के बदले हुए व्यक्तित्व को आकार दिया है। हल्के सजा करती थी जिन्हें वह

फैंब्रिक से लेकर हल्के रंगों तक, हर स्टाइलिंग चॉइस उस दौर को दिखाती है जिससे विराट अभी गुजर रहा है, एक ऐसा आदमी जो गंभीर जिम्मेदारियों और मुश्किल हालात का सामना कर रहा है। उसका लुक जवानी की आसानी से हटकर जडादा शांत हो गया है, जो दिखाता है कि विराट भावनात्मक रूप से कैसे बड़ा हुआ है और अब वह खुद को जडादा मैच्योरिटी और गहराई के साथ पेश करता है। रजत वर्मा ने कहा कि जब मैंने विराट का किरदार निभाना शुरू किया, तो उसके कपड़े उस समय के उसके व्यक्तित्व को दिखाते थे, लापरवाह, थोड़ा जल्दबाज, और पल में जीने वाला। जैसे-जैसे किरदार बड़ा हुआ और कहानी आगे बढ़ी, स्टाइलिंग स्वाभाविक रूप से जडादा साफ-सुथरी और मैच्योर हो गई, ठीक वैसे ही जैसे उसकी सोच। जब टीम ने इस बदलाव पर चर्चा की, तो सबसे पहला रेफरेंस जो मेरे दिमाग में आया, वह ‘मोहब्बतें’ के शाहरुख खान का था। नया स्टाइल एक खास गंभीरता लाता है, और इसने मुझे विराट के जडादा जमीनी, विकसित रूप को अपनाने में मदद की है। यह उसका एक ऐसा रूप है जिसे खोजने में मुझे मजा आ रहा है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी इस बदलाव को उतनी ही शिद्दत से



महसूस करेंगे, जितनी शिद्दत से हम इसे बनाते समय महसूस करते हैं। ‘इत्ती सी खुशी’ हर सोमवार से शनिवार रात नौ बजे, सिर्फ सोनी सब पर प्रसारित होता है।

पहली ही खुराक में रहे 78 घंटे तक हैरत अंग्रेज असर

शादी से धक्का दे देंगी? **हकीम रहमत दवाखाना**®

गुप्त रोग, गर्भना तकल, बामर्दी, दिगं दीप, शुक्राणु की कमी, बेओरुगद मिलें

बचपन की गलतियों के निवारण ऐसी शादी से पहले या शादी के बाद जरूर मिलें

और यह ही चूट्टी में बर्तों का गंदा पानी बाहर

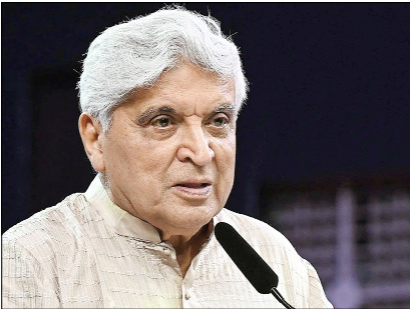
बवासीर, भगंदर, किशोर एक टीका में ठीक

सुस्ती, कमजोरी, पेट रोग, स्त्री रोग, स्त्रीली गांठ

स्त्री व पुरुष रोग विशेषज्ञ **7060666621** ISO 9001:2015 CERTIFIED www.hakeemrehmatdewakhana.com

स्वन सिंह मार्किट, जौली रोड, कूकड़ा ब्लॉक, मुजफ्फरनगर

अपनी शायरी से जावेद अख्तर ने सभी को किया मदहोश



मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने शायर और गीतकार जावेद अख्तर आज 81 वर्ष के हो गए। 17 जनवरी 1945 को शायर-गीतकार जां निसार अख्तर के घर जब एक लड़के ने जन्म लिया तो उसका नाम रखा गया “जादू”। यह नाम जां निसार

अख्तर के ही एक शेर की एक पंक्ति “लंबा लंबा किसी जादू का फसाना होगा” से लिया गया है। बाद में जां निसार के यही पुत्र जादू “जावेद अख्तर” के नाम से फिल्म इंडस्ट्री में विख्यात हुए। बचपन से ही शायरी से जावेद अख्तर का गहरा रिश्ता रहा। उनके घर शेरों-शायरी की महफिलें सजा करती थी जिन्हें वह

बड़े चाव से सुना करते थे। उन्होंने ज़िदगी के उतार-चढ़ाव को बहुत करीब से देखा था इसलिए उनकी शायरी में ज़िदगी के फसाने को बड़ी शिद्दत से महसूस किया जा सकता है। जावेद अख्तर के गीतों की यह खूबी रही है कि वह अपनी बात बड़ी

आसानी से दूसरों को समझाते हैं। उनके जन्म के कुछ समय के बाद उनका परिवार लखनऊ आ गया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लखनऊ से पूरी की। कुछ समय तक वहां रहने के बाद वह अलीगढ़ आ गए जहां वह अपनी खाला के साथ रहने लगे। जावेद अख्तर ने अपनी मैट्रिक की पढ़ाई अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से पूरी की। इसके बाद उन्होंने अपनी स्नातक की शिक्षा भोपाल के साफिया कॉलेज से पूरी की लेकिन कुछ दिनों के बाद उनका मन वहां नहीं लगा और वह अपने सपनों को नया रूप देने के लिए वर्ष 1964 में मुंबई आ गए। मुंबई पहुंचने पर जावेद अख्तर को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मुंबई में कुछ दिनों तक वह महज 100 रुपये के वेतन पर फिल्मों में मुलाकात “हनी ईरानी” से हुई और जल्द ही जावेद अख्तर ने हनी ईरानी से निकाह कर लिया। अस्सी के दशक में जावेद

आफिस पर सफल नहीं हुई। मुंबई में जावेद अख्तर की मुलाकात सलीम खान से हुई जो फिल्म इंडस्ट्री में बतौर संवाद लेखक अपनी पहचान बनाना चाह रहे थे। इसके बाद वह और सलीम खान संयुक्त रूप से काम करने लगे। वर्ष 1970 में प्रदर्शित फिल्म “अंदाज” की कामयाबी के बाद जावेद अख्तर कुछ हद तक बतौर डॉयलाग रायटर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में सफल हो गए। फिल्म “अंदाज” की सफलता के बाद जावेद अख्तर और सलीम खान को कई अच्छी फिल्मों के लिए मिलने शुरू हो गए। इन फिल्मों में “हाथी मेरे साथी, सीता और गीता, जंजीर, यादों की बारात” जैसी फिल्में शामिल हैं। सीता और गीता के निर्माण के दौरान उनकी मुलाकात “हनी ईरानी” से हुई और जल्द ही जावेद अख्तर ने हनी ईरानी से निकाह कर लिया। अस्सी के दशक में जावेद

अख्तर ने हनी ईरानी से तलाक लेने के बाद शबाना आजमी से शादी कर ली। वर्ष 1981 में निर्माता-निर्देशक यश चोपड़ा अपनी नई फिल्म सिलसिला के लिए गीतकार की तलाश कर रहे थे। उन दिनों फिल्म जगत में जावेद अख्तर बतौर संवाद लेखक अपनी पहचान बना चुके थे। यश चोपड़ा ने जावेद अख्तर से फिल्म सिलसिला के गीत लिखने की पेशकश की। फिल्म “सिल. सिला” में जावेद अख्तर के गीत “देखा एक ख्वाब तो सिलसिले हुए और ए कहां आ गए हम” श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुए। फिल्म सिलसिला में अपने गीत की सफलता से उत्साहित जावेद अख्तर ने गीतकार के रूप में भी काम करना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने एक से बढ़कर एक गीत लिखकर जन जन के हृदय के तार झनझनाए।

यौन समस्याएं

यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें

डा. सम्राट

नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अपफीम, चरस, डोडे पोस्ट इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज ।

नावल्टी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

M-9412211108